बिहार विधान परिषद्

188वां सत्र

तारांकित प्रश्न

वर्ग – 2

15 फाल्गुन, 1939 (श.)

मंगलवार, तिथि ----------

06 मार्च, 2018 ई.

प्रश्नों की कुल संख्या – 19

1.	स्वास्थ्य विभाग	....	....	12
2.	अल्पसंख्यक कल्याण विभाग	....	....	01
3.	लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग	....	....	02
4.	ऊर्जा विभाग	....	....	03
5.	उद्योग विभाग	....	....	01

			कुल योग –	**19**

मशीन ठीक करने पर विचार

***** 89. **प्रो. नवल किशोर यादव** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य में एड्स पीड़ित मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है, जिसकी जांच पटना स्थित अगमकुआं के राजेन्द्र मेमोरियल इंस्टीट्यूट में की जाती है;

(ख) क्या यह सही है कि इस इंस्टीट्यूट में पिछले कई महीनों से एड्स की जांच मशीन खराब है, जिसके कारण एड्स मरीजों की जांच नहीं हो रही है और एड्स से पीड़ित गरीब मरीजों को इलाज कराने के लिए अन्यत्र भटकना पड़ रहा है;

(ग) क्या यह सही है कि एड्स से पीड़ित परिजनों द्वारा मशीन ठीक कराने या अन्य नयी मशीन लगाने हेतु कई बार बिहार एड्स कंट्रोल सोसाइटी व नेशनल एड्स कंट्रोल ऑर्गेनाइजेशन से गुहार भी लगा चुका है, फिर भी अबतक इस संबंध में कोई कार्रवाई नहीं हो सकी है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार बतायेगी कि कबतक एड्स मशीन को ठीक कराने का विचार रखती है, यदि नहीं तो क्यों ?

उत्तर (क) अस्वीकारात्मक है। एच.आई.वी./एड्स की जांच राज्य के सभी मेडिकल कॉलेज, जिला अस्पताल एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर किया जाता है। नये एच.आई.वी. संक्रमित मरीजों की संख्या में पिछले तीन वर्षों में वृद्धि नहीं हुई है।

(ख) आंशिक स्वीकारात्मक है। आर.एम.आर.आई., पटना के Immunology Department में दिनांक-28.06.2017 समय प्रात: 4.30 बजे आग लगने के कारण सी.डी.4 संबंधित सामग्री जल गयी थी। जिस कारण एड्स मरीजों की सी.डी.4 जांच ए.आर.टी. केन्द्र, पी.एम.सी.एच. में Sample भेजकर करायी जा रही थी। कुल 249 मरीजों की सी.डी.4 जांच ए.आर.टी. केन्द्र, पी.एम.सी.एच., पटना में करायी गयी है।

सी.डी.4 मशीन अब ठीक हो गयी है तथा दिनांक-30.01.2018 से सी.डी.4 जांच ए.आर.टी. केन्द्र, आर.एम.आर.आई. में एड्स की जांच की जा रही है।

(ग) आंशिक स्वीकारात्मक है। सी.डी.4 मशीन नाको के द्वारा क्रय किया जाता है। वर्तमान में बिहार राज्य में 17 ए.आर.टी. केन्द्रों में से 16 ए.आर.टी. केन्द्रों में सी.डी. 4 मशीन स्थापित हो चुकी है एवं एड्स मरीजों का सी.डी. 4 द्वारा जांच किया जा रहा है।

(घ) उपरोक्त खंडों में स्थिति स्पष्ट कर दी गई है।

कार्रवाई कबतक

***** 90. **श्री सतीश कुमार** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पूर्वी चम्पारण जिला सदर अस्पताल परिसर में दवा स्टोर गंदे नाले के पानी से घिरा है तथा रखी दवाइयां खराब हो रही हैं तथा दो क्वार्टर डॉक्टरों के आवास हेतु बिलकुल कीचड़ तथा आने-जाने का रास्ता बंद होने के कारण कोई डॉक्टर नहीं रहते हैं जिससे पूर्वी चम्पारण जिला के आने वाले मरीजों को दवा तथा इलाज समय पर नहीं होता है;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो सरकार सदर अस्पताल के दवा स्टोर तथा डॉक्टरों के दो क्वार्टर, जो पूर्णत: बर्बाद होने के कगार पर हैं, कार्रवाई करना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

कारगर कदम

***** 91. **श्री रामचन्द्र भारती** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि बिहार राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी अस्पताल आज भी आम नागरिकों को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने में अक्षम है;

(ख) क्या यह सही है कि राज्य के कुल 9949 सरकारी अस्पतालों में से 3358 अस्पतालों का अपना भवन नहीं होने के कारण वहां पर न तो कोई संसाधन है और न मरीजों के लिए कोई जरूरी सुविधा;

(ग) क्या यह सही है कि इन सरकारी अस्पतालों की बदहाल चिकित्सा व्यवस्था के कारण निजी अस्पतालों का धंधा दिनोंदिन फल-फूल रहा है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार राज्य की चिकित्सा व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त एवं सदृढ़ बनाने हेतु कौन-सा कारगर कदम उठाना चाहती है और कबतक ?

कार्रवाई कब तक

***** 92. **श्री केदार नाथ पाण्डेय** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि आयुक्त कार्यालय, मगध प्रमंडल, गया के पत्रांक-वि. VI स्वा.-16/16-647, दिनांक-13.7.2017 के द्वारा प्रधान सचिव, स्वास्थ्य विभाग, बिहार को प्रेषित पत्र के आलोक में स्वास्थ्य विभाग द्वारा अबतक कोई कार्रवाई नहीं की गयी है;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो सरकार आयुक्त, मगध प्रमंडल, गया द्वारा प्रेषित पत्र के आलोक में कबतक कार्रवाई करना चाहती है ?

निर्माण आरंभ

***** 93. **श्री कृष्ण कुमार सिंह** : क्या मंत्री, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य में अल्पसंख्यकों के सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक एवं कौशल विकास की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वर्ष 2016-17 में 46 'सदभाव मंडप' बनाये जाने की स्वीकृति दी गई थी;

(ख) क्या यह सही है कि 46 'सदभाव मंडप' में मात्र 15 का निर्माण आरंभ हुआ है जबकि 31 का कार्य आरंभ ही नहीं हुआ है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार सभी 46 'सदभाव मंडप' का निर्माण आरंभ कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

जलमीनार चालू करने पर विचार

***** 94. **श्री राजेश राम** : क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पश्चिमी चंपारण जिला के प्रखंड नरकटियागंज अंतर्गत सेमरी पंचायत के कटहरी बी.एड. कॉलेज के पास दो वर्षों से जलमीनार बनकर तैयार है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त जलमीनार से पानी की आपूर्ति आज तक सेमरी कटहरी के ग्राम पंचायत की आम जनता को उपलब्ध नहीं हो रहा है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त ग्राम पंचायत की आम जनता को शुद्ध पेयजल मुहैया करने हेतु नवनिर्मित जलमीनार को चालू कराने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक ?

कनेक्शन शीघ्र स्थापित

***** 95. **श्री संजय प्रसाद** : क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि उद्योग नीति 2016 के तहत सिंगल बिडो सिस्टम राज्य में उद्योग को प्रोत्साहित करने के लिए लागू किया गया जिसमें सभी आधारभूत सुविधाएं यथा बिजली कनेक्शन आदि तुरंत उद्योगों को उपलब्ध कराना था;

(ख) क्या यह सही है कि मे. देवघर इंडस्ट्रीज प्रा.लि. सनकुरहा, जमुई ने 1000 के.वी.ए. के विद्युत कनेक्शन लेने के लिए दिनांक-24.01.17 को आवेदन दिया;

(ग) क्या यह सही है कि सहायक अभियंता, विद्युत अवर प्रमंडल, जमुई ने अपने पत्रांक-243, दिनांक-4.3.17 द्वारा 1000 के.वी.ए. भार का विद्युत संबंध 11000 या 33000 के.वी.ए. लेने के संबंध में पूछे गये स्पष्टीकरण में उद्योगपति द्वारा 33000 के.वी.ए. पर लाइन लेने पर सहमति पत्र दिया गया, लेकिन अभी प्राक्कलन बनाने अदि की कोई प्रक्रिया आरंभ नहीं की गयी, जबकि उद्योगपति द्वारा फैक्ट्री बनकर उत्पादन हेतु तैयार है, विद्युत कनेक्शन नहीं लगने के कारण उद्योगपति को ब्याज एवं मजदूरों का भुगतान करना पड़ रहा है और बहुत आर्थिक क्षति उठानी पड़ रही है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार संबंधित पदाधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई करने तथा विद्युत कनेक्शन शीघ्र स्थापित कराने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक नहीं तो क्यों ?

राशि का आंवटन

***** 96. **श्री नीरज कुमार** : क्या मंत्री, उद्योग विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि उद्योग विभाग के अन्तर्गत मुख्यमंत्री कलस्टर योजना के अन्तर्गत नालंदा जिला के सिलाव में खाजा कलस्टर की योजना बनायी गयी है;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार इसकी स्वीकृति की तिथि एवं राशि का आवंटन एवं योजना की अद्यतन स्थिति से अवगत कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

संसाधन उपलब्ध

***** 97. **श्री राधाचरण साह** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि अगमकुंआ पटना में राज्य का एकमात्र औषधि प्रयोगशाला है;

(ख) क्या यह सही है कि औषधि प्रयोगशाला में बी.एच. मीटर टी.एल.सी. यबी के विमेट के अलावा डिस्टलाइजेशन मशीन तक नहीं है;

(ग) क्या यह सही है कि प्रयोगशाला में कर्मचारी और पदाधिकारी के कितने पद स्वीकृत हैं, इसके विरुद्ध अभी प्रयोगशाला में कितने कार्यरत हैं;

(घ) क्या यह सही है कि संसाधन व कर्मियों के अभाव में प्रयोगशाला में कुछ ही प्रकार की दवा की जांच हो पा रही है। छापेमारी या जिलों में ड्रग इंस्पेक्टरों द्वारा उठाए गए अधिकतर दवा नमूनों को राज्य के बाहर के निजी प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजा जाता है, इस प्रक्रिया में समय ज्यादा लगाने के कारण ड्रग माफिया जांच प्रतिवेदन को प्रभावित करते हैं;

(ङ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार कबतक औषधि प्रयोगशाला में संसाधन उपलब्ध कराना चाहती है ?

उपकरण की व्यवस्था

* 98. **श्री सोने लाल मेहता** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि खगड़िया सदर अस्पताल 100 शय्या का अस्पताल है;

(ख) क्या यह सही है कि सदर अस्पताल, खगड़िया में डॉक्टर के 28 पद स्वीकृत हैं, किन्तु चर्म रोग विशेषज्ञ , पैथोलॉजी, रेडियालॉजिस्ट, दन्त चिकित्सक, फिजिशयन-1 का पद वर्षों से रिक्त है;

(ग) क्या यह सही है कि सदर अस्पताल, खगड़िया में में प्रतिदिन आउटडोर में 700-800 मरीज इलाज कराने आते हैं;

(घ) क्या यह सही है कि सदर अस्पताल, खगड़िया में मरीजों के उपचार हेतु उपकरण की घोर कमी है;

(ङ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार चिकित्सक के रिक्त पद, उपचार हेतु उपकरण की व्यवस्था कराना चाहती है, यदि हां तो कब तक, नहीं तो क्यों ?

ट्रांसफर्मर की आपूर्ति

*99. **प्रो. संजय कुमार सिंह** : क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि गया जिले के ग्राम पंचायत कंडी अंतर्गत बीथो शरीफ गांव के जलमीनार का ट्रांसफर्मर जल गया है;

(ख) क्या यह सही है कि इस संबंध में बिजली विभाग के पदाधिकारी एवं नगर प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी से अनुरोध करने के बावजूद आज तक उक्त जलमीनार का ट्रांसफर्मर नहीं बदला जा सका है;

(ग) क्या यह सही है कि उक्त गांव में पिछले तीन महीनों से हर घर नल का जल नहीं पहुंच पा रहा है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार खंड 'क' में वर्णित जलमीनार का ट्रांसफर्मर बदलने की कार्रवाई करना चाहती है और उक्त जलमीनार से नियमित रूप से हर घर नल का जल उपलब्ध कराना चाहती है ?

व्यवस्था पर विचार

***** 100. **श्री सी.पी. सिन्हा** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद कई पैथोलॉजी लैब पर संकट आ गया है। पटना डेंटल कॉलेज एवं अस्पताल के पैथोलॉजी विभाग में एम.डी. नहीं हैं, लैब बंदी के कगार पर है;

(ख) क्या यह सही है कि राज्य के विभिन्न लैब में 16 हजार टेक्नीशियन कार्यरत हैं, वहीं सिर्फ 75 पैथोलॉजी ही रजिस्टर्ड है, जबकि 4500 पैथोलॉजिस्ट की जरूरत अस्पतालों में पड़ेगी;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार सुप्रीम कोर्ट के आदेश के आलोक में सभी पैथोलॉजी में एम.डी. डॉक्टर रखना चाहती है या दूसरी क्या व्यवस्था करना चाहती है ?

विद्युतीकरण कबतक

***** 101. **श्री दिलीप राय** : क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि सीतामढ़ी जिलान्तर्गत रून्नी सैदपुर प्रखंड भवानीपुर, जगाहीपुर, हिरदोपट्टी सहित पच्चीस गांव में अभी तक विद्युतीकरण नहीं हो पाया है;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो सरकार रून्नी सैदपुर प्रखंड के सभी छूटे गांव में विद्युीतकरण कबतक करने का विचार रखती है, यदि नहीं तो क्यों ?

मानदेय देने पर विचार

*102. **श्री सुनील कुमार सिंह** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि आशा सेविका को मानदेय अभी तक बिहार में नहीं दिया जाता है;

(ख) क्या यह सही है कि आशा सेविका घर-घर जाकर कर्तव्यनिष्ठता से ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को स्वास्थ्य लाभ देती हैं;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार आशा सेविकाओं को मानदेय देने का विचार रखती है, यदि हां तो कब, नहीं तो क्यों ?

राहत उपलब्ध

*103. **श्री वीरेन्द्र नारायण यादव** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि सीवान जिले के प्रखंड मैरवां स्थित सरकारी अस्पताल संचालित है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त अस्पताल में प्रखंड के दूर-दराज के मरीज इलाज के लिए आते हैं, जहां अस्पताल के भवन एवं रख-रखाव जर्जर होने के कारण मरीजों को काफी कठिनाई उठानी पड़ती है;

(ग) क्या यह सही है कि उक्त अस्पताल में ओ.पी.डी. नहीं है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त सरकारी अस्पताल के भवन का जीर्णोद्धार करते हुए ओ.पी.डी. का निर्माण कराकर दूर-दराज के मरीजों को राहत उपलब्ध कराने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक ?

पूर्ण प्रतिबंध

*104. **श्री रजनीश कुमार** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि धूम्रपान और तंबाकू का सेवन कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी का प्रमुख कारण है और कैंसर से मरने वाले सौ में से चालीस मरीज तंबाकू सेवन के कारण मरते हैं;

(ख) क्या यह सही है कि धूम्रपान और तंबाकू के खतरों को देखते हुए राज्य सरकार 13 जिलों को धूम्रपान मुक्त घोषित करते हुए पूरे राज्य में जागरूकता अभियान भी चला रही है;

(ग) क्या यह सही है कि तंबाकू और बीड़ी-सिगरेट की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध नहीं रहने के कारण सरकार का यह अभियान पूरी तरह सफल नहीं हो रहा है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार तंबाकू और धूम्र उत्पादों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

दोषी पर कार्रवाई

*105. **डा. दिलीप कुमार चौधरी** : क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि-

(क) क्या यह सही है कि समस्तीपुर जिला के कल्याणपुर प्रखंड स्थित तीरा पंचायत (जटमलपुर तीरा) में स्वच्छ जल मुहैया कराने हेतु जलमीनार का निर्माण किया गया है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त जलमीनार से पानी का रिसाव होने के कारण लोगों को जल नहीं प्राप्त हो रहा है;

(ग) क्या यह सही है कि उक्त पंचायत में सरकारी बोरिंग रहने के बावजूद एक अन्य बोरिंग गाड़ा गया है, जो अबतक चालू नहीं हो सका है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार उक्त जलमीनार एवं नलकूप को चालू कराते हुए दोषी पदाधिकारियों पर कार्रवाई करना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

ठोस कदम उठाने पर विचार

*106. **श्री संजीव कुमार सिंह** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि पूर्णिया जिला मुख्यालय में संचालित सैकड़ों नर्सिंग होम एवं पैथोलॉजी द्वारा उत्सर्जित बायो मेडिकल कचरे के निष्पादन हेतु स्थानीय स्तर पर कोई इकाई स्थापित नहीं है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त कचरे के निष्पादन हेतु ठेका ऐसी कंपनी को दिया गया है जो नियमित रूप से कचरे का उठाव नहीं करती है और नजदीक ही उसे जलाया जाता है, उससे पर्यावरण बुरी तरह प्रभावित होता है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार इस समस्या के समाधान हेतु कोई ठोस कदम उठाना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

* 107. **श्री सुबोध कुमार** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि वैशाली जिला में सदर अस्पताल, हाजीपुर जिले के आमजनों को चिकित्सा सुविधा का एक मुख्य अस्पताल है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त अस्पताल अस्त व्यस्त हालत में है यहां न पर्याप्त चिकित्सकीय उपकरण हैं, न ही टेक्नीशियन हैं, न ही विशेषज्ञ चिकित्सक हैं;

(ग) क्या यह सही है कि गंभीर बीमारी को कौन कहे, सामान्य बीमारी के रोगी को भी यहां इलाज कर रेफर ज्यादा किया जाता है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार सदर अस्पताल, हाजीपुर को चिकित्सकीय उपकरण, टेक्नीशियन एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों से लैस करते हुए जिले के आम जनों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कबतक कराना चाहती है, यदि नहीं तो क्यों ?

पटना
दिनांक 06 मार्च, 2018 ई.

सुनील कुमार पंवार
सचिव
बिहार विधान परिषद्